अनुक्रमणिका

पुरोवाक्

संपादकीय

महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित निम्न–पुरापाषाणकालीन (एश्युलियन) स्थलों का नव–अध्ययन 1
जयेन्द्र जोगलेकर एवं सुषमा जी० देव

बिहार की नवपाषाण कालीन मृद्भांड परंपराओं का अध्ययन 8
दीपक कुमार राय

प्रागैतिहासिक जीवन का अवलोकन 19
संजय कुमार कुशवाहा

कैमूर पहाड़ी (बिहार) की बृहत्पाषाणिक समाधियाँ और जनजातीय संस्कृति 29
श्याम सुंदर तिवारी

राजगीर का पुरातत्त्वः प्रागैतिहासिक काल से बारहवीं शताब्दी तक 42
किशोर कुमार

प्राचीन छत्तीसगढ़ के अभिलेखों में 'रामायण' एवं 'महाभारत' संबंधी संदर्भः एक विवेचन 52
सुजीत कुमार तिवारी

बौद्ध–भिक्षुणी संघ का विकास एवं प्रसार 59
राघवेन्द्र प्रताप सिंह

मोरेना (मध्य प्रदेश) में नरेसर के मंदिर एवं अभिलेख 64
अरविन्द कुमार सिंह

दमोह जिले की विशिष्ट प्रतिमाएँः शिल्पशास्त्रीय अवलोकन 76
सुरेन्द्र कुमार यादव

कुषाणकालीन देवकुल एवं उनसे प्राप्त मूर्तियाँ 85
विंध्यवासिनी

गुप्तकाल में गणित 93
सौरभ सिंह

विदेशी मुद्राओं में अंकित वनस्पति एवं जीवजंतुओं का धार्मिक महत्व 101
आभा सिंह एवं राजेश कन्नौजिया

पूर्व–मध्यकालीन मिथिला की सूर्य प्रतिमाएँ 110
शिव कुमार मिश्र

बीजापुर की इस्लामी इमारतों में अंतर्विभाजक मेहराब–स्थानीय स्थापत्यकारों की मौलिक प्रस्तुति 118
पूनम प्रसाद

अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों के परिप्रेक्ष्य में मौखिक परंपराएँ एवं अभिव्यक्ति 130
प्रिया तिवारी

साझा विरासत का अनूठा पर्वः छठ 137
शिवानी जॉर्ज

लघुलेख

पश्चिमी चंपारण जिला, बिहार क्षेत्र की नव–अन्वेषित गणेश प्रतिमाएँ 143
मनोज कुमार

भारत एवं नेपाल की सनातन परंपरा का एकात्म रूप (नेपाल स्थित पशुपतिनाथ मंदिर) 148
अमिता अग्रवाल

संग्रहालय प्रलेखन की आवश्यकता एवं महत्ता 151
संध्या विश्वकर्मा

भारत में पोथी चित्रण की परंपरा 155
शैलेन्द्र कुमार

पुस्तक समीक्षा 159

पदाधिकारी 161

दिशा निर्देश 162

फलक